दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा 2025

कोर्स : एम.ए. (हिंदी)

सेमेस्टर : प्रथम

समयावधि : 3 घंटे

पाठ्यक्रम : आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता

कुल अंक : 70

पाठ्यक्रम कोड : ODL HND 1101 C 6006

निर्देश :

1 प्रश्न संख्या 1 के कुल 7 भाग है | जिनमें से किन्हीं 4 के उत्तर देने होंगे | प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं |

2 प्रश्न संख्या 2 से 5 तक के कुल तीन भाग है जिनमें से किन्हीं 2 के उत्तर देने होंगे | प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित है |

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से किन्हीं 4 पर टिप्पणी कीजिए |

(4 x 3.5 = 14)

(क) मारवणी का विरह - वर्णन
(ख) मुकरियों का महत्व
(ग) बिहारी सतसई
(घ) रासो काव्य की प्रमाणिकता
(ङ) घनानंद की भाषा
(च) जायसी की प्रेम भावना
(छ) तुलसीदास का रामराज्य

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

(2 x 7 = 14)

10.22

(क) आदिकालीन कविता की प्रमुख प्रवृतियों का विवेचन कीजिए ।

(ख) "मारवणी का प्रेम संदेश राजस्थानी श्रृंगार साहित्य में सर्वोत्तम है " उक्त कथन को सोदाहरण समझाइए ।

(ग) पहेलियों की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए इसके महत्व को रेखांकित कीजिए ।

प्रश्न 3 निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(2 x 7 = 14)

(क) जायसी के पद्मावत में नागमती के वियोग वर्णन की साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रासंगिकता का विश्लेषण कीजिए ।

(ख) सूर के भ्रमरगीत सार की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(ग) रामचरितमानस की प्रबंध योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4 निम्नलिखित में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

(2 x 7 = 14)

(क) "प्रेम की पीर का जैसा चित्रण घनानंद ने किया , अन्य कोई न कर सका । " इस कथन पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(ख) " बिहारी के काव्य में भक्ति, नीति एवं श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित हुई है" । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

(ग) मीरा बाई के काव्य में प्रेम और भक्ति के तत्वों का विश्लेषण कीजिए ।

प्रश्न 5 निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

(2 x 7 = 14)

मोरी चुनरी में परी गयो दाग पिया।

पांच तत्त की बनी चुनरिया, सोरहसै बंद लागै जिया।

यह चुनरी मोरे मैकेतें आई, ससुरे में मनुवा खोय दिया।

मलि-मलि धोई दाग न छूटे, ज्ञान को साबुन लाय लिया।

कहे कबीर दाग कब छुटिहै, जब साहब अपनाय लिया।

(2)

वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै
लड़कीली बानि आनि उर मैं अरति है।
वहै गति लैन औ ,बजावनि ललित बैन,
वहै हँसि दैन, हियरा तैं न टरति है।
वहै चतुराई सों चिताई चाहिबे की छबि,
वहै छैलताई न छिनक बिसरति है।
आनँदनिधान प्रान-प्रितम सुजानजू की,
सुधि सब भाँतिन सौं बेसुधि करति है।।

(3)

आए जोग सिखावन पाँडे।

परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँड़े

हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखैं ते राँड़े।

कहौ, मधुप, कैसे समायँगे एक म्यान दो खाँड़े।

कहु षटपट, कैसे खैयतु है हाथिन के संग गाड़े।

काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत डाँड़े॥

काहे जो झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम डाँड़े।

सूरदास तीनों नहि उपजत धनिया धान कुम्हाँड़े॥

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, अगस्त 2025

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी) सत्र : 2025-26
सेमेस्टर : प्रथम समयावधि : 3 घंटे
पाठ्यक्रम शीर्षक : हिंदी कथा साहित्य अधिकतम अंक : 70
पाठ्यक्रम कोड : ODL HND 1 1 03 C 6006

निर्देश :

- प्रश्न सं. 1 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 3.5 अंक निर्धारित हैं।
- प्रश्न सं. 2 से 5 तक के प्रश्नों के कुल तीन भाग हैं, जिनमें से किन्हीं दो के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक भाग के 7 अंक निर्धारित हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (3.5 x 4 = 14)
   a) हिंदी कहानी का उद्भव।
   b) 'प्रमोशन' कहानी में दलित समस्या।
   c) 'आकाशदीप' कहानी की नायिका।
   d) धनिया का व्यक्तित्व।
   e) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में कल्पनाशीलता।
   f) शेखर की सृजनात्मकता।
   g) बद्री पहलवान का चरित्र।

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 x 2 = 14)
   a) हिंदी कहानी के विविध आंदोलनों पर प्रकाश डालिए।
   b) 'विभाजन की त्रासदी और हिंदी उपन्यास' विषय की विवेचना कीजिए।
   c) हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 x 2 = 14)
   a) 'उसने कहा था' कहानी की तात्त्विक समीक्षा कीजिए।
   b) रजुआ की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
   c) सप्रसंग व्याख्या करें :

   बड़ी-बड़ी इमारतें आने लगीं; यह अदालत है, यह कॉलेज है, पह क्लब-घर है। इतने बड़े कॉलेज में कितने लड़के पढ़ते होंगे ? सब लड़के नहीं हैं जी ! बड़े-बड़े आदमी हैं, सच ! उनकी बड़ी-बड़ी मूँछें हैं। इतने बड़े हो गए, अभी तक पढ़ते जाते हैं। न जाने कब तक पढ़ेंगे और क्या करेंगे इतना पढ़कर। हामिद के मदरसे में दो-तीन बड़े-बड़े लड़के हैं, बिलकुल तीन कौड़ी के, रोज मार खाते हैं, काम से जी चुरानेवाले। इस जगह भी उसी

तरह के लोग होंगे और क्या। क्लब-घर में जादू होता है। सुना है, यहाँ मुरदे की खोपड़ियाँ दौड़ती हैं। और बड़े-बड़े तमाशे होते हैं, पर किसी को अंदर नहीं जाने देते। और यहाँ शाम को साहब लोग खेलते हैं। बड़े-बड़े आदमी खेलते हैं, मूँछों-दाढ़ीवाले। और मेमें खेलती हैं, सच! हमारी अम्माँ को वह दे दो, क्या नाम है, बैट, तो उसे पकड़ ही न सकें। घुमाते ही लुढ़क न जाएँ।

4. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 x 2 = 14)

a) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में बाणभट्ट और निपुणिका के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डालिए।

b) होरी के माध्यम से भारतीय किसान की प्रमुख समस्याओं को प्रकट कीजिए।

c) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

आवारा तो मैं था ही। इस नगर से उस नगर में, इस जनपद से उस जनपद में बरसों मारा-मारा फिरता रहा। इस भटकन में मैंने कौन-सा कर्म नहीं किया? कभी नट बनता, कभी पुतलियों का नाच दिखाता, कभी नाट्य-मंडली संगठित करता और कभी पुराण-वाचक बनकर जनपदों को धोखा देता रहा; सारांश, कोई कर्म छोड़ा नहीं। भगवान ने मुझे रूप अच्छा दिया था और बोलने की पटुता भी थोड़ी-सी थी। बस, मेरी किशोरावस्था और जवानी के दिनों में ये ही दो बातें मेरी सहायता करती थीं। यद्यपि लोग मेरे बहुविध कार्य-कलाप को देखकर मुझे 'भुजंग' समझने लगे थे; पर मैं लम्पट कदापि नहीं था। सो घूमता-घामता एक बार मैं स्थाणीश्वर (थानेसर) नगर में पहुँच गया। उस दिन को मैं अपने सौभाग्य का दिन मानता हूँ।

5. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (7 x 2 = 14)

a) शेखर के बचपन की विवेचना कीजिए।

b) 'राग दरबारी' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के बारे में बताइए।

c) सप्रसंग व्याख्या करें :

जिन लोगों के साथ रहना और खाना मैंने स्वयं चुना है, ये सभी अछूत हैं, आदर्शनीय हैं, लेकिन मैं आपसे कहता हूँ, उनमें मैंने मित्र पाये हैं, भाई पाये हैं। कोई उन्हें पूछता नहीं है, देखता नहीं है, उनके पास नहीं जाता है, इसलिए उनके दिल सच्चे हैं, ताजे हैं, और आग से भरे हैं, उन लोगों से कोई बात नहीं करता, इसलिए उनमें अनुभूति और भी तीखी है। आप ही वे लोग हैं, आप ही मेरे संगी और स्नेही हैं, आप ही मेरा कार्यक्षेत्र हैं, और आप ही मेरी शक्ति। मैंने आपको अपनाया है, पहचाना है, और मैं इसमें सुखी हूँ। लेकिन आप इसके लिए कृतज्ञ मत होइये, आप उस तरह अपने को छोटा मत बनाइये। मैं ब्राह्मण होकर आप लोगों को अपने साथ ले रहा हूँ, ऐसा भाव मुझमें नहीं है। मैं स्वयं आपके साथ आया हूँ। भीतर कहीं मैं भी अछूत हूँ, आपका भाई हूँ। मैंने अपने आप आपको दान नहीं किया, मैंने आपको पाया है...

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

सत्रांत परीक्षा, अगस्त-2025

कार्यक्रम : एम.ए. (हिंदी, दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा)
सेमेस्टर : I
पाठ्यक्रम का नाम : हिंदी नाटक एवं रंगमंच
कोर्स कोड : ODL HND 1 1 04 C 4105

सत्र : 2024-25
अवधि : 3 घंटे
पूर्णांक : 70

नोट: इस प्रश्न पत्र में कुल पांच प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंकों का है।
प्रश्न संख्या 1 के सात उपखंड हैं। परीक्षार्थी को किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड हेतु 3.5 अंकों का है।

प्रश्न संख्या -1

टिप्पणी लिखिए : (4 X 3.5 =14)

अ. भारतेन्दु के नाटकों की रंगमंचीयता।
ब. रंगमंच का आशय ।
स. मंदाकिनी का चरित्र-चित्रण।
द. कठपुतली।
य. कालिदास का चरित्र-चित्रण।
र. 'अंधा युग' में मिथकीय चेतना।
ल. कात्या का चरित्र-चित्रण।

नोट: प्रश्न संख्या दो से पांच तक में तीन उपखंड हैं, जिनमें परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न से किन्हीं दो उपखंडों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक उपखंड सात अंकों का है।

प्रश्न संख्या-2 (2X7= 14)

अ. हिंदी नाटक के उद्भव एवं विकास को निरूपित कीजिए।
ब. नाटक के प्रमुख प्रकार और उनके रचना विधान पर प्रकाश डालिए।
स. रंगमंच की विकास-यात्रा का उल्लेख करते हुए इसकी प्रमुख शैलियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या-3 (2X7=14)

अ. जयशंकर प्रसाद के नाटकों में अभिव्यक्त राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का उद्घाटन कीजिए।
ब. ध्रुवस्वामिनी नाटक की विषयवस्तु पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।
स. सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

"सांच कहें ते पनही खावें। झूठे बहुविधि पदवी पावै ॥
छलियन के एका के आगे। लाख कहो एकहु नहिं लागे ॥
भीतर होइ मलिन की कारो। चहिये बाहर रंग चटकारो ॥
धर्म अधर्म एक दरसाई। राजा करे सो न्याव सदाई ॥
भीतर स्वाहा बाहर सादे। राज करहिं अमले अरु प्यादे ॥
अंधाधुंध मच्यो सब देसा। मानहुँ राजा रहत बिदेसा ॥"

प्रश्न संख्या-4 (2X7= 14)

अ. सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

"टुकड़े-टुकड़े हो बिखर चुकी मर्यादा
उसको दोनों ही पक्षों ने तोड़ा है
पाण्डव ने कुछ कम कौरव ने कुछ ज्यादा

यह रक्तपात अब कब समाप्त होना है
यह अजब युद्ध है नहीं किसी की भी जय
दोनों पक्षों को खोना ही खोना है
अन्धों से शोभित था युग का सिंहासन
दोनों ही पक्षों में विवेक ही हारा
दोनों ही पक्षों में जीता अन्धापन
भय का अन्धापन, ममता का अन्धापन
अधिकारों का अन्धापन जीत गया
जो कुछ सुन्दर था, शुभ था, कोमलतम था
वह हार गया..... द्वापर युग बीत गया"

ब. 'आषाढ़ का एक दिन' के विषय-वस्तु पर आलोचनात्मक निबंध लिखिए।

स. मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकता बोध एवं प्रयोगधर्मिता को रेखांकित कीजिए।

प्रश्न संख्या-5 (2x7=14)

अ. 'हानूश' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

ब. 'सर्जक की पीड़ा और सृजनात्मकता का संकट' के आलोक में हानूश नाटक की विवेचना कीजिए।

स. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-

"सियानें यह भी कह गए हैं कि जो अतीत से सबक हासिल नहीं करता, वह वर्तमान में भी अन्धा और भविष्य में भी अन्धा बना रहता है। आप कहते हैं, मैं पीछे मुड़कर नहीं देखा करूँ, मुझे इस ब्याह में मिला क्या है? छोटी-सी थी, जब मैं इसके घर ब्याहकर आई थी। घर में हानूश को कोई पूछता ही नहीं था। दुनिया में इज़्ज़त भी उसी की होती है जिसका घरवाला कमानेवाला हो। यह सभी की पूँछ बना घूमता था। और आज यह दिन आया, इसकी हालत सुधरने की बजाय और भी नीचे गिरती गई है।"

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र
सत्रांत परीक्षा, अगस्त 2025

कार्यक्रम: एम.ए. (हिंदी) **सत्र: 2024-25**
सेमेस्टर: प्रथम **अवधि: तीन घंटे**
पाठ्यक्रम का नाम: हिंदी साहित्य का इतिहास
पूर्णांक: 70

निर्देश:

01. प्रश्न संख्या 01 के कुल सात भाग हैं, जिनमें से किन्हीं चार के उत्तर देने हैं। प्रत्येक भाग के 3.5 निर्धारित हैं।
02. प्रश्न संख्या 02 से लेकर 05 तक प्रत्येक प्रश्न में तीन-तीन उपप्रश्न हैं, इन तीन उपप्रश्नों में से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न के 07 अंक निर्धारित हैं।

प्रश्न संख्या 01. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। (अंक 4X3.5= 14)

1. इतिहास दर्शन
2. गार्सा द तासी
3. आदिकाल
4. पृथ्वीराजरासो
5. जैन साहित्य
6. सगुण भक्ति
7. रीतिसिद्ध काव्यधारा

प्रश्न संख्या 02. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (अंक 2X7= 14)

1. हिंदी साहित्येतिहास के प्रमुख ग्रंथ एवं रचनाकारों का उल्लेख कीजिए।
2. हिंदी साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

3. हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न संख्या 03. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (अंक 2X7= 14)

1. आदिकालीन साहित्य की युगीन प्रवृतियों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।
2. रासो काव्य परंपरा का विस्तार सहित वर्णन कीजिए।
3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य पर एक निबंध लिखिए।

प्रश्न संख्या 04. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (अंक 2X7= 14)

1. भक्ति आंदोलन के उदय के कारण के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मतों की समीक्षा कीजिए।
2. निर्गुण भक्ति के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए प्रमुख प्रवृत्तियों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
3. सगुण काव्य परंपरा की विशेषताओं पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

प्रश्न संख्या 05. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (अंक 2X7= 14)

1. रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।
2. 'रीतिकवियों का आचार्यत्व' से क्या अभिप्राय है? विस्तार से चर्चा कीजिए।
3. किन्हीं चार रीतिकवियों के सौंदर्य बोध को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।